ा के प्रबंधक शेखर गुप्ता आदि मौजूद रहे.

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 20/01/2024

# सीएसए में दो साल में बढ़ गए 23 परसेंट एडमिशन

kanpur@inext.co.in

**KANPUR (19 Jan):** सीएसए एग्रीकल्चरल एंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी में रिसर्च एक्टिविटीज तेजी से बढ़ी हैं. दो साल में 23 परसेंट रिसर्च स्कॉलर्स बढ़ गए हैं. रजिस्ट्रार डॉ. पीके उपाध्याय ने बताया कि कृषि, उद्यान एवं गृह विज्ञान कोर्स में लगातार रिसर्चर बढ़ रहे हैं. उन्होंने बताया कि यूनिवर्सटी में उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की ओर से आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित जूनियर रिसर्च फैलोशिप, सीनियर रिसर्च फैलोशिप और डॉक्टर ऑफ फिलासफी से प्रवेश दिया जाता है.


चना

कि, विज्ञापन
ाये गये नगद
निधि द्वारा 48
सूचना तत्काल
E-Mail ID :
कृपा करें।
gran-Inext)

# सीएसए में बढ़ी शोधकर्ता छात्र-छात्राओं की संख्या

अमर उजाला 20/01/2024

कानपुर। सीएसए में छात्राओं का रुझान कृषि क्षेत्र में बढ़ रहा है। शोध करने वाले मेधावियों की संख्या में भी पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि हो रही है। तीन वर्ष पहले शोधार्थियों की संख्या जहां 75 से कम थी, वहीं अब 96 पहुंच गई है।

रजिस्ट्रार डॉ. पीके उपाध्याय ने बताया कि विवि में कृषि, उद्यान व गृहविज्ञान में पीएचडी कराई जाती है। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में कुल 78 प्रवेश हुए थे। सत्र 2022-23 में 90 और इस साल सत्र 2023-24 में 96 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। सीएसए में नेपाल, श्रीलंका व अफगानिस्तान के छात्र शोध करने आ रहे हैं। विवि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व शोध की गुणवत्ता में लगातार सुधार किया जा रहा है। जिससे छात्रों का रुझान बढ़ रहा है। (संवाद)

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-310 कानपुर, शनिवार 20 जनवरी 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

# आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

## पीएचडी अध्ययन हेतु गत 3 वर्षों से लगातार छात्र छात्राओं की संख्या में हो रही वृद्धि

**आज का कानपुर**

कानपुर । सीएसए के कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय ने बताया कि वि.वि.में संचालित पी एचडी कृषि, उद्यान एवं गृह विज्ञान पाठ्यक्रमों में विगत 3 वर्षों से उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ छात्र छात्राएं प्रवेशित हो रहे हैं डॉ उपाध्याय ने बताया कि विश्वविद्यालय में दो प्रकार से प्रवेश लिए जाते हैं जिसमें प्रथम राज्य स्तरीय उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट) एवं द्वितीय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑल इंडिया कॉम्पिटेटिव एग्जामिनेशंस (जूनियर रिसर्च फैलोशिप, सीनियर रिसर्च फैलोशिप डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) है। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 में कुल 78, तथा शैक्षणिक सत्र 2022ड्ड23 में 90 एवं शैक्षणिक सत्र 2023ड्ड24 में 96 छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय की गुणवत्ता के आधार पर पी एचडी पाठ्यक्रमो में प्रवेश लिया है इस प्रकार शैक्षणिक सत्र 2021-22 की तुलना में 2023ड्ड 24 में कानपुर कृषि विश्वविद्यालय के पी एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की स्थिति में लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था एवं प्रवेशित छात्राओं को अनुमन्य मूलभूत आवश्यकताओं की ससमय पूर्ति को परिलक्षित करता है।देश के इस प्राचीन कृषि विश्वविद्यालय में न केवल देश के बल्कि नेपाल, श्रीलंका एवं अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के छात्र छात्राएं भी विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर अध्ययन कर चुके हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं की विगत वर्षो से बढ़ती हुई संख्या पर हर्ष व्यक्त किया तथा बताया कि छात्र छात्राओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को निर्देशित किया है।

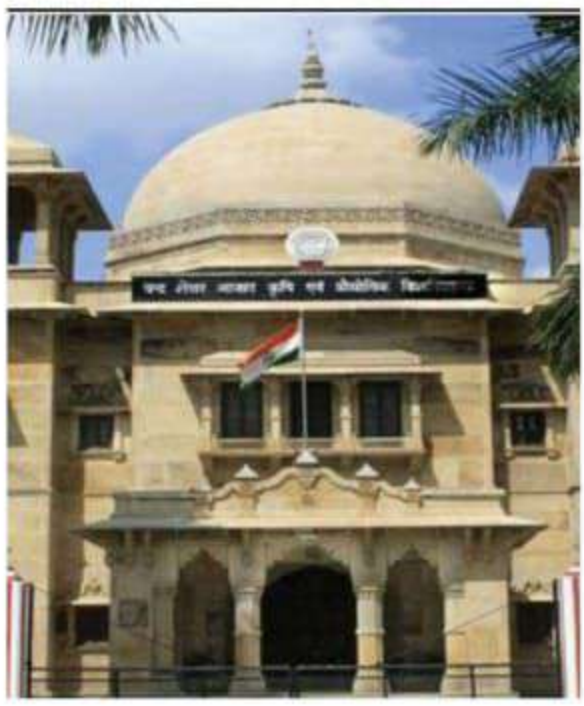

# सीएसए में 23 प्रतिशत बढ़े पीएचडी में प्रवेश

जासं, कानपुर : सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। दो साल में 23 प्रतिशत शोधार्थी बढ गए हैं। कुलसचिव डा. पी के उपाध्याय ने बताया कि कृषि, उद्यान एवं गृह विज्ञान पाठ्यक्रमों में पिछले तीन साल से लगातार शोधार्थी बढ़ रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में कुल 78, शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 90 और शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 96 छात्र छात्राओं ने शोध पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है।

हिंदुस्तान 20/01/2024

# कृषि क्षेत्र में बढ़ रहा शोध का क्रेज

कानपुर। कृषि क्षेत्र में सिर्फ बेटियों का रुझान नहीं बल्कि शोध का क्रेज भी बढ़ रहा है। सीएसए के दीक्षांत में जहां बेटियों ने पदक प्राप्त करने में बाजी मारी थी, वहीं अब शोध करने वाले मेधावियों की संख्या में भी पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि हो रही है। तीन वर्ष पहले शोधार्थियों की संख्या जहां 75 से कम थी, वहीं अब 100 के करीब 96 पहुंच गई है। तीन वर्षों में शोधार्थियों की संख्या में 23 फीसदी इजाफा हुआ है। विवि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व शोध की गुणवत्ता में लगातार सुधार किया जा रहा है।